• बाल कविता...

सबसे पहले आज उठा मैं...

हाथी दादा पूजे जाते
सर पर अपने आसमान को,
क्यों हर रोज उठाते भैया।
मछली मेंढक से यूं बोली,
क्यों इतना टर्राते भैया।
मेंढक बोला नियम कायदे,
तुम्हें समझ न आते दीदी।
टर्राने वाले ही तो अब,
शीघ्र सफलता पाते दीदी।
नेता जब टर्राता है तो,
मंत्री का पद पा जाता है।
अधिकारी टर्रा कर ही तो,
ऊपर को उठता जाता है।
उछल कूद मेंढक की, मछली,
कहती मुझको नहीं सुहाती।
व्यर्थ कूदने वालों को यह,
दुनियां सिर पर नहीं बिठाती।
हाथी दादा सीधे सादे,
नहीं किसी को कभी सताते।
अपने इन्हीं गुणों के कारण,
अब तक घर घर पूजे जाते।

■ प्रभुदयाल श्रीवास्तव

• चुटकुले...

एक बार एक दामाद शराब पी के घर लौटा...
फिर ससुराल वाले से बचने के लिए चुपचाप सूटकेस खोल कर काम करने लगा
ससुर–आज फिर पी के आए हैं दामाद–नहीं
ससुर–तो सूटकेस खोल के क्या कौन सा रेडियो स्टेशन लगा रहे हैं।
ससुर की बात सुनकर दामाद का सारा नशा उतर गया।

😀😀😀

मास्टर जी – बताओ,
कुतुबमीनार कहां है?
चिंटू – पता नहीं
मास्टर जी – फिर बेंच पर खड़े हो जाओ
चिंटू बेंच पर खड़ा हो जाता है और कुछ देर बाद कहता है
मास्टर जी यहां से भी नहीं दिख रहा है।
पूरे क्लास में छा गई शांति!

😀😀😀

पति– मेरे सीने में बहुत तेज दर्द हो रहा है, जल्दी से एंबुलेंस के लिए कॉल लगाओ
पत्नी– हां, लगाती हूं अपने मोबाइल का पासवर्ड बताओ
पतिः रहने दो, अब थोड़ा ठीक लग रहा है।

• जानकारी...

रहस्यमयी जगहों पर फेल हो जाती है ग्रेविटी

ग्रेविटी के बारे में लगभग हम सभी जानते हैं। जिसमें हर कोई भी चीज कहीं से भी फेंके वो आकर नीचे ही गिरती है। पृथ्वी पर ग्रेविटी हर जगह काम करती है। हालांकि शायद आपको ये जानकर आश्चर्य हो की पृथ्वी पर कुछ जगहें ऐसी हैं जहां ग्रेविटी के नियम पूरी तरह से फेल नजर आते हैं। जबकि उसके आस-पास की सभी जगहों पर स्थिति बिल्कुल सामान्य नजर आती है। तो चलिए आज धरती की कुछ उन्हीं जगहों के बारे में जानते हैं। धरती पर कुछ जगहें आपको खासा हैरान कर सकती हैं. जहां ग्रेविटी बिल्कुल काम नहीं करती।

▶▶ **सेंट इग्नास मिस्ट्री स्पॉट**– इनमें सबसे पहले नाम आता है सेंट इग्नास मिस्ट्री स्पॉट जो मिशिगन में स्थित है। इस जगह पर यदि आप खड़े हो जाएं तो आपको ऐसा लगेगा जैसे आप अंतरिक्ष में हैं। दरअसल यहां 300 वर्गफीट के इलाके में गुरुत्वाकर्षण बिल्कुल काम नहीं करता है।

▶▶ **स्पुक हिल**– फ्लोरिडा में स्थित स्पुक हिल में भी आकर आपको ऐसा लगेगा जैसे आपका वजन बहुत ही कम हो गया है। जहां आप चाहें तो एक पैर पर बिना गिरे खड़े हो सकते है। दरअसल यहां भी ग्रेविटी के नियम काम नहीं करते।

▶▶ **मिस्ट्री स्पॉट**– कैलिफोर्निया स्थित मिस्ट्री स्पॉट में पानी को नीचे से ऊपर बहता हुआ देखकर शायद आप हैरान रह जाएंगे। यहां इंसान चाहे तो बिना गिरे किसी एक कोण पर खड़ा रह सकता है। बता दें कि इस जगह की खोज 1939 में हुई थी।

▶▶ **मैग्नेटिक हिल**– लेह में स्थित मैग्नेटिक हिल में भी ग्रेविटी मानों नजर ही नहीं आती। यहां तो गाड़िया बिना किसी सहारे के अपने आप 20 किलोमीटर प्रति घटें की रफ्तार से चलती जाती हैं। जिसे देखकर लोग हैरान हो जाते हैं।

▶▶ **कॉस्मास मिस्ट्री एरिया**– रैपिडी सिटी में स्थित कॉस्मास मिस्ट्री एरिया में अजीबोगरीब और एक तरफ झुके हुए पेड़ों को देखकर शायद आप हैरान रह जाएं। यहां जाकर आपको अपने वजन का एहसास ही नहीं होगा।

• असमिया लोक–कथा

अनमोल राय

बहुत समय पहले की बात है, सिलचर के समीप एक गाँव में जयंत फुकन रहता था।

एक दिन वह चाचा के पोते की शादी में दूर गाँव गया। विवाह के पश्चात वह वहीं रुक गया। अगले दिन वह हाट में गया। वहाँ की रौनक देखकर उसे बड़ा मजा आया।

शाम होते ही सभी दुकानदार लौटने लगे किंतु एक व्यक्ति चुपचाप दुकान लगाए बैठा था। जयंत ने हैरानी से पूछा, 'अरे भई, घर नहीं जाओगे?'

वह दुकानदार मायूसी से बोला, 'मेरी सलाह नहीं बिकी, उसे बेचकर ही जाऊँगा।'

'कौन-सी सलाह, कैसी सलाह?'

'पहले कीमत तो चुकाओ।' दुकानदार ने हाथ नचाते हुए कहा।

'कितने पैसे लगेंगे?' उसने लापरवाही से पूछा।

'एक सलाह का एक हजार रुपया लगेगा।'

उसकी बात सुनकर जयंत को हँसी आ गई। भला सलाह भी खरीदी जाती है? परंतु जाने जयंत के मन में क्या आया, उसने दो हजार रुपए गिनकर उसके सामने रख दिए।

दुकानदार हिल-हिलकर बोला-

काँटेदार बाड़ न लगाना
घरवाली को राज न बताना
नहीं तो पीछे पड़ेगा पछताना।

जयंत ने उसकी सलाह याद कर ली! घर पहुँचा तो पत्नी दरवाजे पर खड़ी मिली। बाग का माली भी वहीं था। वह माली से दरवाजे के ऊपर बाड़ लगवा रही थी। जयंत को नई-नई सलाह याद थी। उसने पत्नी को वह बाड़ लगाने से मना किया। दो हजार रुपए वाली बात भी बताई। उसकी पत्नी खिलखिलाकर हँस दी।

'मान गए आपको, कोई भी घड़ी-भर में मूर्ख बना जाता है। अरे, इतने रुपए पानी में बहा आए। उस रात जयंत को सोते-सोते विचार आया, 'क्यों न, इन सलाहों को आजमाया जाए।'

उसने एक सूअर के बच्चे का सिर काटकर जंगल में छिपा दिया। फिर खून से सना चाकू, पत्नी को दिखाकर बोला, 'अरी, मुझसे एक आदमी का खून हो गया है, तू किसी से कहना मत।'

जयंत की पत्नी के पेट में बात पचना आसान न था। वह मटका लेकर पनघट पर जा पहुँची। वहाँ वह अपने पति की बहादुरी की डींगें हाँकने लगी। एक सखी ने ताना दिया, 'अरी सोनपाही, बहुत बड़ाइयाँ कर रही है। ऐसा कौनसा बड़ा काम कर दिया तेरे पति ने?'

बात में नमक-मिर्च लगाकर, उसने शान से सबको बताया कि जयंत ने एक आदमी का खून करके उसकी लाश जंगल में छिपा दी है।

शाम होते-होते पूरे गाँव में यह खबर फैल गई। जयंत खेत से लौट रहा था। लोग उसे देखते और हाय राम! जान बचाओ। कहकर भाग खड़े होते।

जयंत कुछ समझ नहीं पाया। अगले दिन राजा का बुलावा आ पहुँचा। जयंत घर से निकला। दरवाजे की कंटीली बाड़ में उसके सिर की पगड़ी गिर गई। वह उसे बिना पहने ही चल दिया।

राजा के दरबार में नंगे सिर जाने की सख्त मनाही थी। जयंत को देख, राजा गुस्से से भर उठा। तब जयंत को याद आई वह सलाह-

'काँटेदार बाड़ न लगाना!'

फिर राजा ने उससे गरजकर पूछा, 'तुमने एक आदमी का खून किया है?'

जयंत ने हकलाते हुए उत्तर दिया, 'जी मैं ...।'

'क्या मैं ... मैं लगा रखी है। स्वयं तुम्हारी पत्नी, उस खून की गवाह है।'

जयंत के कानों में गूँजने लगा।

'घरवाली को राज न बताना।
नहीं तो पीछे पड़ेगा पछताना।'

वह खिलखिलाकर हँस दिया। उसने धीरे-धीरे राजा को समझाया कि किस तरह उसने सलाहों की परीक्षा लेनी चाही। राजा से आज्ञा लेकर वह जंगल में से सूअर का कटा हुआ सिर ले आया। राजा ने सारी बात सुनी तो वह भी हँसते-हँसते लोटपोट हो गया। जयंत को ढेरों ईनाम देकर विदा किया गया।

-समाप्त

जयंत ने उसकी सलाह याद कर ली! घर पहुँचा तो पत्नी दरवाजे पर खड़ी मिली। बाग का माली भी वहीं था। वह माली से दरवाजे के ऊपर बाड़ लगवा रही थी। जयंत को नई–नई सलाह याद थी।

उसने पत्नी को वह बाड़ लगाने से मना किया। दो हजार रुपए वाली बात भी बताई। उसकी पत्नी खिलखिलाकर हँस दी। 'मान गए आपको, कोई भी घड़ी–भर में मूर्ख बना जाता है। अरे, इतने रुपए पानी में बहा आए...

• रोचक...

सबसे ज्यादा पेड़

दुनियाभर में पेड़ काटे जा रहे हैं। आवास के लिए और अपनी सुविधाओं के लिए जंगल को काटने से पर्यावरण प्रभावित हो रहा है, जिससे मौजूदा समय में भी कई देश जलवायु परिवर्तन से होने वाले खतरों का सामना कर रहे हैं, वहीं एक देश ऐसा भी है जो दुनिया में सबसे ज्यादा पेड़ों के लिए जाना जाता है। रूस दुनिया में सबसे ज्यादा पेड़ों के लिए जाना जाता है। इस देश में पेड़ों की संख्या 641 अरब है। जो दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर कनाडा का नाम आता है। कनाडा के वन क्षेत्र का कुल आकार लगभग 4,916,438 वर्ग किमी है। ये देश के कुल भूमि क्षेत्र का लगभग 30% भाग कवर करता है। तीसरे नंबर पर ब्राजील का नाम आता है। अमेजन दुनिया का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय वर्षावन है, इसका लगभग 60 फीसदी हिस्सा ब्राजील में स्थित है।

• कोका कोला...

▶▶दुनिया में सिर्फ दो देश ऐसे हैं जहां कोका कोला नहीं बिकता, बल्कि यहां इसे बेचने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इन देशों का नाम क्यूबा और नॉर्थ कोरिया है। यहां लंबे समय से कोका कोला पर रोक लगी हुई है। क्यूबा में साल 1961 से बैन लगा हुआ है वहीं नॉर्थ कोरिया में साल 1950 से इसपर बैन है। कोका–कोला ने साल 1906 में अपना प्लांट क्यूबा में लगाया था। जिसके 2 साल बाद 1962 में क्यूबा रेवोल्यूशन की शुरुआत हुई और कोका कोला का प्रोडक्शन रोक दिया गया।